मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHN–004

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन)

(एम.ए.एच.एन.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.एन.-004 : तत्त्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***हिन्दी*** *अथवा* ***अंग्रेजी*** *अथवा* ***संस्कृत*** *में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. शंकराचार्य के अद्वैतवाद की व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय दर्शन में पुरुष की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

3. 'परमात्मा' शब्द का अर्थ निरूपित करते हुए उसके स्वरूप को प्रतिपादित कीजिए।
4. शक्ति तत्व की व्याख्या कीजिए।
5. काल का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
6. वाक्सूक्त की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. देवी के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।
2. जैन धर्म में स्त्री-विषयक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
3. भारतीय सामाजिक व्यवस्था की तात्विक विवेचना कीजिए।
4. "आगम और निगम परस्पर पूरक हैं।" इस कथन की विवेचना कीजिए।
5. भगवद्गीता की विषय-वस्तु का विस्तृत निरूपण कीजिए।
6. भारतीय समाज में स्त्रियों की स्थिति का प्रसंगानुसार विश्लेषण कीजिए।
7. भारतीय ज्ञान परम्परा में भाषा-चिन्तन पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×